

DPN 6963

Title : बौद्ध स्तोत्र संग्रह BADDHA STOTRA SAMGRAHA

Run. No. 7688

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 6.5 x 13.0

Folios 15

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor फुरीन्द्ररत्न वज्राचार्य

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Phamindra Ratna Vajracarya

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

नंदनभक्त चरितं तस्य यत्कृतं श्रीगोविंद गान्धर्व विष्णु

५

0 ctms.

5

10

15

而

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ काव्यमत्रयलक्ष्मीः
 विजयनीयात्र ॥ वसुमादादसज्जनाथमवा
 नमः ॥ ॐ ॥ अत्रदीर्घाशीर्षगमप्रहाकस
 नः ॥ गुत्रर्वधुदगुनीयात्र ॥ श्रीजीनलीउत्र
 दॐ ॥ १ ॥ अथचक्रमहाजानां गमनलिना
 यत्रीनायुत्रीनत्रयानीनेहाकनार्थः ॥ ३ ॥

सुप्रसन्न

जीनरुगनरुगिनजीमात्रप्रदाग॥ यादयंकउ
 रुगीनवमिसीप्रसा॥ ४ ॥ हुंगीसीका॥ यहुगुप्र
 र्मायुग॥ हूं हुं हुं ॥ हुं नमावृक्षायक्षामखगनकी
 जयह्रीं श्रीं वैश्वदेवजीनवन॥ सिंहमासनयिग॥ स्य
 नवनी॥ नमः शुभं वजीनसवन॥ १ ॥ यवृदीगगवि
 जयह्रीं॥ जकारं वजीनवन॥ गजमेंमासनधीननीनी

नवनं नमस्तु १५॥ १ ॥ दधिनदीगग विजय ह्री धी ॥ न
 द्वाप्ररु वजीन वन ॥ तुर्वजमासन थाग ॥ यीगवन नम
 तु १५॥ २ ॥ यद्विर्मर्मदीगगवि ॥ जय ह्री धी ॥ जमीन
 रुव ॥ जीन वन ॥ मयन मासन थीगवन वन ॥ नमस्तु १
 ५॥ ३ ॥ उतगवदीगग ॥ वीजय सी धी ॥ जमाघसा धी जीन
 वन ॥ गव उमासन ॥ थीगवन वन ॥ नमस्तु १५॥ ४ ॥ रु

नोदत्र वक्राचक्रना गउरुसत्रे नासत्र वद्वै वी धी उ
 यहा स्रय याहाद नमस्तु १५ ॥ यीरु जीन सत्र न ॥ ५ ॥
 ॥ ॐ नी यी से जाग तु प्रसमाया ॥ ६ ॥ ॐ नी ॥ ७ ॥
 उनमा वधाय श्राउ नी मी सी वा धी म दीग य व यः
 न नदी यत्र वी ॥ सत्र सद्र सका नि धी तु व दी का

उदिमसा

प्रयवेयिगु ॥ ॥ श्रीसाकृशीदवनमानाथयुनकायगुः
॥ नार्धली ॥ दानसालाकमहाप्रसाधनवीरध्यानसमागम ॥
॥ लालामहदवीरवयकामना ॥ गधखवीनासने १ यन्म
१ युग्मावत्रानवजीमः सवसत्तदीर्गकत्रं ॥ २ ॥ दडामानः
॥ व ॥ जश्वदीगगत्रुउकिनमासालगं १ दडामानवलम
सुहृत्तमिर्गकयगनत्रकसुजाजानिके ॥ ४ ॥ वद
द्रवलीकयित्रधारय ॥ सुहृत्तमिर्गकयगनत्रकसुजाजानिके ॥ ४ ॥ वद

नडाअमृतवाणकी ॥ सुमिर्गलधतवीदीर्ग ॥ ५ ॥ दग्निहा
म गंयत्ररयतयन ॥ श्रीदीयजललेकीर्ग १ श्रीदकायवाह
कीधमकायमहावत्र ॥ ३ ॥ ववनीग्रीयकुलीछलीन ॥ वरुदा
महाविजालरत्नद्रुकुत्तमकूटक ॥ धीनमकनयादह ॥ श्रीगीग
॥ १ ॥ यगुजवीहानी ॥ दडाअमृतवाणकी ॥ सुमिर्गलधतवीदीर्ग ॥ ५ ॥ दग्निहा
यहिमिर्गकाप्रियायी ॥ मात्ररंजयाधुप्रन ॥ ६ ॥ माह
जंगनत्रयहाधुतिकाम ॥ ॥ सुहृत्तमिर्गकयगनत्रकसुजाजानिके ॥ ४ ॥ वद

गिरुतुनसमाय ॥ ६०३ ॥

8112 HJLH LK M N O P Q R S T U V W X Y Z

श्री कृष्णाय नमः

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥ नमः शिवाय ॥ २ ॥ नमः शिवाय ॥ ३ ॥ नमः शिवाय ॥ ४ ॥ नमः शिवाय ॥ ५ ॥ नमः शिवाय ॥ ६ ॥ नमः शिवाय ॥ ७ ॥ नमः शिवाय ॥ ८ ॥ नमः शिवाय ॥ ९ ॥ नमः शिवाय ॥ १० ॥

स्मिन्नायमनीवजः जमरुपुण्ड्रीनया यीमा २ मयुत्रमासन
 ध्यानध्यानगः यद्यथागमनीयुर्ल ॥ ५ ॥ उद्वेगवद्विगमिन्नाः
 जमायुमादिः स्यामवर्धमानिस्मिता २ गजुत्रमासनजलयेकः
 हवजः सर्वमत्तउधार्जनी ॥ १ ॥ ह्रीवजसत्त्वप्रजुमृद्वनीः
 वृद्धी ४ सुधार्जनी २ वासुधायागजगन्नाथः मानसस
 त्रवेदिर्ल ॥ ६ ॥ जागिर्यवकमालगिह्वनः माननामृगक
 टकी २ यात्रीजागकुदधवननागकसत्रप्रशुर्ल ॥ ७ ॥
 नारीसीतकयुलकुं क मवेदननयी जयोगा २ वीवी

धायक कल उल्लः विनयमंशुक कथिना ॥ १० ॥ वी
आयेसीमदंगमृजः सखवाद्यसमंगलाहवा विनामिलाल
मा उदगालिवुदकनी ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
स महाभक्तमाश्वाहा वीदीनदवयुआ साहनादीमम
लीका ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
मिलारदवदानवजकु किमनवः नागकपीवुडी ना ॥
१३ ॥ कायवाकविभुनीमिलः वीवहजगाम प्रदकनी २ः

सगकृपयनयवामलः धर्मदमनाहथा ॥ १४ ॥ नृया दस
उमिभुजवलीः प्रकीणासमनाहकैरदलीहव वक्रायुर्द
नः दवममजप्रयुजीना ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
पूर्वप्रमनीत्रैउनीरहानीलावनीवाकाहवायवुधाम
नामय ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
गारदवीनिदवमदाधवः सर्वदवगयजीना ॥ १७ ॥ लोह

वसुमहानत्रकैकः येषु नमगजसुरय वज्रसहस्रमन
ः प्रियुकाजलप्रयोगा ॥ ८॥ अत्र संधीसु वसुधैः संधीव
पुर वरुयमकि किदंश्चेत्तु गुरुमस्यसुवसाः प्रियुका
यदहनवा ॥ ९॥ अथ संधीव कर्मजन्म रीदीनयाजके आसु
लीनाश्चि किनाममहायाय नमस्तु जन्ममनयावना ॥ १०॥
लोमयावनसुमलसायीनः वधसुवनसुगीमीनाश्चि नुमैरु

नकातविनुः साद्वीरा वसुमकीर्द ॥ १॥ दाती दुनीन
यसमनरुवडदिनत्वमहामुनाश्च हावाण्यदकी नाय
सुखावनिमह प्राप्नुयात् ॥ १२॥ ०० नीयसव नृजी
नसमाय ॥ ६॥ ०० ॥ ३० नमाहीता आर्वसाकि नसत्राय
वाधिसत्वाय महासत्वाय महाकाजनीकाय ॥ ३०॥

हृदयनाथाय १॥ देवमनुकासुतनगयजही. यमिदुगज
मजवाजुजमजनी. हायसुतमामसुयनः. जहृकयायकिल
कायली. २. ॥ समयादधामधनीमग्री. कुसमदामासु
मादीमरी. सामवधी. यमायीजुवर्गः. प्राप्तिमहाकृपन
मयिर्वर्ग. ३. ॥ गृह्णामिमी. आयादुगनगु. मलनमहा.
रुयविवहगर्ग. याययरागवननमहाकक्षा. यावगधि

वीयामिनविषमा. ३. ॥ कृगमन्निगहनमजसु. दग
म. जनायानीसदस. नाथमयाकृययायमस्यवी. नामय
स्युकिकायकदूषी. ४. ॥ अर्जिगीनसत्कायननी. हाका
नी. हननगिरु. सुस्य. कस्य. यममयसमर्म. काविक
नजर्कयीजमा. ५. ॥ ५. ॥ सत्ता. नायक. वि. निग
महिर्म. स्यमनु. माहिगममीय. जविदीर्ग. नदियानीम

समानस्यार्थः कृग्यिनाथकममविचार्य ॥ ३ ॥ दत्त
मन्त्रासुत्रजः मेनागिश्चकनवर्कः द्रुगगकिना। सत्वा ऊनिः
वप्रगिमदागः जक्षिमिगानिगिर्गं नद्वमवीवागा ॥ १ ॥ नः
नमदायजीमूज काजूनः विक्रसजीजागनकाजून्या ॥ १०ः
गिमनुरुगवनरुनस्तिरुनामिः याद्वननजर्कः मोमवीसा
मी ॥ ८ ॥ किशाप्रमिकसादियनार्थः मूर्धसिरुगवनः

मामकगार्थकृत्वा यथा यथा कियानवयन्मजनयमीहम्
कथमविद्यन्म ॥ ७ ॥ मसहन्मनाधिरवमीयत
गुदेकृपयमीकृष्यकिमकीमददीनमस्मादगुरुगम
नयनदीनदकृष्यमाकृष्यमामिह नृकृकृ ॥ १० ॥ दे
नीगुर्जगमयगुक्कगानीजाअं अमरकीथकवमावीः

वीरुमासीनिमीप्रासीकयजगीरुवनाथिरयादीनुम
दीनम ११ ॥ जंजनगुनिकायादकसीद्वासीद्वाद्यदी
मनीमीनविसुद्धी ॥ मिद्वगुडस्यमिजयत्रवमःगुष्टगुड
मत्तैलाकसा १२ ॥ अकपत्रवजनवाजाकनदीना
वीवीवीवावी ॥ मदारयदीनामगयिगुनायसुम
सजीजाःवीजसीगन्जागुनगीरीपाव १३

गजुग्राथिगुहदार्किन्नामीनियीगिसदाजागीन्ना
मन्गीनीनसययाजमदूर्कयीत्तैजमत्तैजीनरु
त्वा १४ ॥ तुंभिलाक कसनकिथियमार्कम्वगीर
गवनमामकिनाथी ॥ प्रोमिदमन्दिगमद्योगयानी
नासयगासप्रमाकुनवाजी १५ ॥ यवीययीदी

यस्य च त्रयमसौ कृष्णवदुः स्यादयं व्याकृतवदुः स्यात् । निर्यज
ममयाभि नमस्कृतं त्रयमसौ श्रीमत्सुतमनाधिकृतं
७ ॥ गत्युत्तमं यत्किमस्य कस्य च न गतिविवादाज्जा
तीर्णमाद्या । अनाकुत्वा यायकदुःखैः सुगतिरुत्तमाया
मिमांसा ॥ १० ॥ मादमन्त्रयविना सतदुक्तुः सर्वसंसा
ने

चमहादभिदुःखं यत्किं न ताथायनवाद्दुःखं गुणदुःखं
निसागचचाद्दुःखं ॥ ११ ॥ दसीगसुगणनरुत्तमनात्वेवा
जिगदुःखं यत्किमसौ । निजिगदुःखं यत्किमसौ
संनिहयवानवयात्ता ॥ १२ ॥ ॥ सक्तवत्तननीकं न
दहात्वे यत्किमसौ । अजगत्सुदहात्तागवनन्तुः सुक
ने



मोक्षिन्नेनान्न यममकवृत्ताभि धृत्तजनविदित्ये
क्रान्तनदीये ॥ १० ॥ तिलाविगविमकवृत्ति
गः स्त्रीयवृद्धिगविमय्यकामिद्यादिद्यायानममादी
गविर्नः स्त्रीयाचकामाध्वजनविर्नः ॥ ११ ॥ यत्तमवृत्त
वृत्तनपिकवृत्तावाः मयियत्ता मय्यनकवागिरवावृत्त

थमिहमासमहाजगदमः विमयममि हाकमलरवः
गा ॥ १२ ॥ सवृत्तजनार्थमियाकवृत्ता साकिरवृत्ता
नी अगजवृत्त ललावननजवृत्ता मयीवृत्तः रुगवन
यवृत्तामाविनृत्तः ॥ १३ ॥ नाथक पादो रुवमवृत्ता
मायः सवृत्तवृत्ता वृदवृत्ता लाथवृत्तनीमानः

ग व द म स ल गि मि जे ज न म नी स म म र्ष १५ ॥ ॐ :
 गिरु ग व ग म स ल न नी ज न म म ग न र्द ज ग द र्ध
 स र दी ब ह्नी द्या न न कां च न वार्म ज न य गु म द ल वि वि
 श्री दी ह्य मी : छी म नु ही छी ज्ञा य्या व ज कि न र्द स न : र द
 य क स्या : य न य गि यो वि र्दी ग म व म्भ र्दी स मा य ४॥
 ५ ॥ ॐ : ॥ वा ग म स्या द वा ज न म्भ र्दी स मा य ५ ॥

शु र्द म र्द दि त दा स नं २ मा क वी दार्द वि नी जी र्द न म म्भ र्दी
 ज्ञा स्या म न नी ॥ १ ॥ म्भ ग म स म ल न म द्या र्दी व न न :
 कृ म न न ज क र्म २ मा क वी द्धि ग म न मी स्या मि र न न स ज ल
 वा ४॥ ॥ द कि न म र्द मी ज ल मी र व : वि र व मी य द द य र्दी
 उ र्दी न म व न ली क र्म न म म्भ र्दी गु र्दी ग द्या न न ॥ ५ ॥ न
 व उ दी ग र्दी वि की य न द ह : ज्ञा ग म र्द मी य मि न २ म य ज व

दानमस्मीति नमामीष्टी जगन्महेश्वर ॥ ॐ नमो भगवते
स्वी जलकान्तगीतवद्ध विवाजी गा २ उल्लसखही जं
जमावसाही नमामीष्टी गवदवादाने ॥ ॐ नमो
ठुठु के ठुठु पानसाहसा गिदमरु वयनियली गा २ मीः
दवादानयनमस्मीति नमामीष्टी केलायनी ॥ ॐ ॥

गगनविदकमात्रवदनाः वकुलाष्टी नयाजी गा २ मीः
गीतकसममात्रा नमामीष्टी धर्मयोगी ॥ ॐ नमो
मयागुयाग्री ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते
ममगा ॥ ॐ नमो गगनागनयनि देवगजरुमते
तिमिसा वनयथमरु वलीनमेव दू तावि नाय
के देव वायुमंदडा काश्मि विविदेय श्रुता गायुय
संयुन देहि महि सुकयुद ॥ श्री वरुमलनायकि